



अण्डमान तथा निकोबार कमान का रजत जयंती समारोह

‘डीब्राइट’ में नेवल सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा के भव्य आयोजन में शामिल हुए माननीय उप राज्यपाल



श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार कमान के रजत जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आज डॉ. बी.आर. अम्बेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट) सभागार, डॉलीगंज, श्री विजय पुरम में भारतीय नौसेना के नेवल सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा द्वारा विशेष संगीतमय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में माननीय उप राज्यपाल ने कहा कि

अण्डमान तथा निकोबार कमान द्वीपवासियों के साहस, विश्वास और सुरक्षा का सशक्त आधार है। उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के जवान प्राकृतिक आपदाओं, आपातकालीन चिकित्सा सहायता, हवाई निकासी जैसी विषम एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सदैव देवदूत की भाँति नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। उन्होंने द्वीपसमूह की सुरक्षा, सेवा और आपदा के समय नागरिकों की सहायता में सशस्त्र बलों के अतुलनीय योगदान की सराहना की। माननीय उप राज्यपाल ने संगीत को एकता, अनुशासन

और सदभाव का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि संगीत व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने भारतीय नौसेना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने तथा उसे जन-जन तक पहुँचाने के लिए अण्डमान तथा निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल विनीत मैककार्टी, एवीएसएम, तथा नेवल सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा के सभी कलाकारों की सराहना की। इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल विनीत मैककार्टी,

एवीएसएम, पूर्व कमांडर-इन-चीफ एयर मार्शल सजु बालाकृष्णन, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन एवं पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण, सशस्त्र बलों के जवान तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नेवल सिम्फोनिक ऑर्केस्ट्रा की मनमोहक एवं मधुर संगीतमय प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम ने अण्डमान तथा निकोबार कमान के रजत जयंती समारोह की गरिमा को और बढ़ाते हुए इसे एक अविस्मरणीय अवसर बना दिया।

संदेश



अण्डमान तथा निकोबार कमान के रजत जयंती समारोह के अवसर पर, कमान के सभी रैंकों के अधिकारियों, जवानों, पूर्व सैनिकों, असेनिक कार्मिकों तथा उनके परिवारजनों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। वर्ष 2001 में भारत की प्रथम और एकमात्र त्रि-सेवा कमान के रूप में स्थापित अण्डमान तथा निकोबार कमान ने राष्ट्र के प्रति समर्पण, संयुक्तता एवं प्रतिबद्धता के 25 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण किए हैं। मानवीय सहायता, आपदा राहत, खोज एवं बचाव तथा नागरिक प्रशासन को सहायता प्रदान करने में कमान का योगदान द्वीपवासियों के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, हम उन सभी वीरों को श्रद्धा एवं सम्मान सहित स्मरण करते हैं, जिन्होंने कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस एवं समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मैं अण्डमान तथा निकोबार कमान के सभी कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता हूँ। मेरी कामना है कि अण्डमान तथा निकोबार कमान अपनी गौरवशाली परंपराओं को निरंतर कायम रखते हुए सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं समृद्ध भारत तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहे।

जय हिन्द!

(डॉ. दिनेश शर्मा)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

संदेश



भारतीय वायु सेना के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर सभी वायु योद्धाओं, गैर-लड़ाकू कार्मिकों, डी.एस.सी. कार्मिकों एवं असेनिक कर्मचारियों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। भारतीय वायु सेना ने राष्ट्र की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में अदम्य साहस, व्यावसायिक दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में अंतर-द्वीपीय संपर्क, चिकित्सा निकासी, आपातकालीन सहायता तथा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के क्षेत्र में इसका योगदान द्वीपवासियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। इस अवसर पर हम उन सभी वायु योद्धाओं को नमन करते हैं जिन्होंने कर्तव्य की राह में सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस और निःस्वार्थ सेवा भाव सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मैं भारतीय वायु सेना के सभी कार्मिकों की समर्पण भावना एवं कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कामना करता हूँ कि भारतीय वायु सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं को कायम रखते हुए राष्ट्र की सेवा में निरंतर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करे।

जय हिन्द !

(डॉ. दिनेश शर्मा)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी से आज लोक निवास, श्री विजय पुरम में अण्डमान तथा निकोबार कमान के पूर्व कमांडर-इन-चीफ, एयर मार्शल सजु बालाकृष्णन जी ने शिष्टाचार भेंट की। इसी क्रम में प्रसिद्ध वास्तुकार श्री दिनेश कुमार शर्मा जी, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के प्रदेश सचिव श्री वी. एस. भास्करन जी एवं उनके प्रतिनिधिमंडल तथा अण्डमान तमिज़ार संगम के अध्यक्ष, सचिव सहित प्रतिनिधिमंडल ने भी माननीय उप राज्यपाल से सौजन्य भेंट की।

दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण



श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। दक्षिण अण्डमान की उपायुक्त एवं वन स्टॉप सेंटर की अध्यक्ष, सुश्री पूर्वा गर्ग, भा.प्र.से., ने 7 अक्टूबर को दक्षिण अण्डमान स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया तथा केंद्र के कामकाज, सुविधाओं, अभिलेखों और हिंसा से प्रभावित महिलाओं को प्रदान की जा रही सेवाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान केंद्र की केंद्रीय प्रशासक ने उपायुक्त को केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में जानकारी दी। इनमें चिकित्सा, कानूनी, मनोवैज्ञानिक, पुलिस सहायता तथा अस्थायी आश्रय जैसी सेवाएं शामिल हैं। उपायुक्त ने अभिलेखों एवं रजिस्ट्रारों की समीक्षा की तथा कर्मचारियों से उनके दायित्वों, निपटारा गए मामलों और जनशक्ति की आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी ली। केंद्र की समुचित स्वच्छता एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसमें छत, भंडार कक्ष, रसोईघर तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई एवं रखरखाव भी शामिल है। अतिरिक्त स्नानघर तथा छात्रावास की सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे के विस्तार की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विद्युत बैकअप की स्थिति तथा भ्रमण व नवीनीकरण कार्यों की भी समीक्षा की गई और आवश्यक कार्यों में तेजी लाने के लिए जरूरी निर्देश जारी किए गए, ताकि केंद्र का निर्बाध एवं प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सके। एसवीपीएमसी को वन स्टॉप सेंटर के आसपास के क्षेत्रों की समुचित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण का उद्देश्य वन स्टॉप सेंटर की सुविधाओं को सुदृढ़ करना तथा लाभार्थियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सहयोगपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करना था।

दक्षिण अण्डमान पुलिस की मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई, 15 आरोपी गिरफ्तार



श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। माननीय उप राज्यपाल के मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान को मजबूत करने और द्वीपों को नशामुक्त बनाने के संकल्प के तहत दक्षिण अण्डमान जिला पुलिस ने जिले में मादक पदार्थों के अवैध कब्जे, बिक्री एवं वितरण के विरुद्ध कार्रवाई तेज कर दी है।

1 सितंबर, 2026 से अब तक दक्षिण अण्डमान जिले के विभिन्न स्थानों पर पुलिस टीमों द्वारा समन्वित रूप से छापेमारी एवं तलाशी अभियान चलाए गए। इन कार्रवाइयों के दौरान 7.754 किलोग्राम गांजा, 1.21 किलोग्राम मेथामफेटामाइन तथा 26 गांजे के पौधे, जिनका कुल वजन 10.236 किलोग्राम था, जब्त किए गए तथा 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिण अण्डमान जिले के विभिन्न स्थानों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुल 9 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जब्त किए गए सभी मादक पदार्थों को निर्धारित कानूनी एवं प्रक्रियागत औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

अभियान के दौरान हमफ्रीगंज थाना पुलिस ने उल्लेखनीय कार्रवाई करते हुए 2 मामले दर्ज किए, 2.29 किलोग्राम गांजा जब्त किया और 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पहाड़गांव थाना पुलिस ने 1 मामला दर्ज कर 1.21049 किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त किया तथा 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं, अबर्डीन थाना पुलिस ने 1 मामला दर्ज कर 4.125 किलोग्राम गांजा जब्त किया और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इसके अतिरिक्त, 1 जनवरी, 2026 से अब तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 41 मामले दर्ज किए गए हैं और 67 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्रवाइयों के

दौरान पुलिस ने 19.33 किलोग्राम गांजा, 1.67 किलोग्राम हशीश, 10.051 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, 47 नाइट्राजेयाम टैबलेट, 10 निट्रासेन टैबलेट तथा 73 गांजे के पौधे, जिनका कुल वजन 10.4638 किलोग्राम था, जब्त किए हैं। इसके अलावा, जिले भर में 298 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से आम जनता, विशेष रूप से युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

दक्षिण अण्डमान के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये कार्रवाई नियमित छापेमारी, आक्रामक जांच, खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई तथा गहन गश्त के माध्यम से मादक पदार्थों की अवैध आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने के लिए दक्षिण अण्डमान जिला पुलिस की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। पुलिस नशामुक्त द्वीप, सुरक्षित एवं स्वस्थ समाज के लक्ष्य में योगदान देने के लिए मादक पदार्थों से संबंधित गतिविधियों के विरुद्ध सक्रिय एवं शून्य-सहिष्णुता की नीति के साथ कार्रवाई जारी रखेगी।

दक्षिण अण्डमान जिला पुलिस ने आम जनता से भी इस अभियान में सक्रिय सहयोग करने तथा मादक पदार्थों की बिक्री एवं किसी भी अन्य अवैध गतिविधि से संबंधित विश्वसनीय सूचना पुलिस के साथ साझा करने की अपील की है। सूचना दूरभाष नंबरों 112-आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआरएसएस), 03192-232100-पुलिस नियंत्रण कक्ष, 9531856080-मादक पदार्थ हेल्पलाइन नंबर, 03192-236641-पुलिस अधीक्षक (दक्षिण अण्डमान) कार्यालय पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति को उचित पुरस्कार दिया जाएगा तथा उसकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र में हिंदी पखवाड़ा संपन्न



श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। आकाशवाणी, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 को हिंदी पखवाड़ा 2026 का समापन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केंद्र के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के कार्मिक, राजस्व, प्रशासनिक सुधार एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव श्री सतनाम सिंह, भा.प्र.से., मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सामान्य प्रशासन विभाग के सहायक सचिव श्री राजेश्वर लाल विशिष्ट अतिथि तथा आकाशवाणी, श्री विजय पुरम की सेवानिवृत्त कार्यक्रम निष्पादक सुश्री मुमताज बानो विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने उपस्थित जनसमूह को दैनिक कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को और अधिक प्रोत्साहित एवं प्रसारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में हिंदी ने अपना एक विशिष्ट स्वरूप विकसित किया है, जो बोलने और सुनने, दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत अनूठा एवं आकर्षक है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी की तुलना में हिंदी में संवाद अधिक सहज एवं स्वाभाविक होता है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों एवं भावनाओं को अधिक सरलता और स्वतंत्रता के साथ व्यक्त कर सकता है।

विशेष अतिथि सुश्री मुमताज बानो, सेवानिवृत्त कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, श्री विजय पुरम ने भी इस अवसर पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए। उन्होंने हिंदी के संवर्धन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा हिंदी पखवाड़े और समापन समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री सी. सुब्बा राव, उप महानिदेशक (अभियांत्रिकी), क्लस्टर प्रमुख एवं कार्यालय प्रमुख ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कार्यस्थल पर हिंदी को अधिक महत्त्व

दिए जाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि हिंदी देशभर में एकता के बंधन को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान किया।

समारोह में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों में श्री डी. नरसिम्हा, उप निदेशक (अभियांत्रिकी), श्रीमती मीना प्रकाश, सहायक निदेशक (कार्यक्रम) एवं कार्यक्रम प्रमुख, सुश्री सनम, सहायक निदेशक (कार्यक्रम) एवं कार्यक्रम प्रमुख तथा श्री एस. आर. भास्कर, सहायक निदेशक (अभियांत्रिकी) शामिल थे। समारोह का संचालन श्रीमती पूजा सिंह ने किया।

श्री दीपक चंद्र तिवारी, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं आहरण एवं संचितरण अधिकारी ने हिंदी पखवाड़ा 2026 का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं तथा उनमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता का विवरण प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद कार्यक्रम निष्पादक सुश्री जयशीला जे. लाकड़ा ने अपनी स्वरचित हिंदी कविता 'अब नहीं तो कब' का पाठ किया। उनकी कविता ने समारोह में साहित्यिक एवं प्रेरणादायी भाव का समावेश किया। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विशेष अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार वितरण के पश्चात सैयद अर्शुल रहमान ने अपनी स्वरचित हिंदी कविता 'दीवारें नहीं, रिश्ते हैं' प्रस्तुत की। कविता के माध्यम से उन्होंने मानवीय संबंधों, एकता एवं पारस्परिक समझ का सार्थक संदेश दिया।

समारोह का समापन श्री दीपक चंद्र तिवारी, सहायक निदेशक (राजभाषा) एवं आहरण एवं संचितरण अधिकारी द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

उत्तर व मध्य अण्डमान जिले की क्वारी योजना संबंधी अधिसूचना वेबसाइट पर

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के सहायक आयुक्त (मुख्यालय) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आम जनता को सहायक आयुक्त (मुख्यालय) द्वारा सूचित किया जाता है कि उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के अंतर्गत क्वारी (खदान) योजना के संबंध में उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान के कार्यालय द्वारा 6 अक्टूबर, 2026 को

जारी अधिसूचना को अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट के Announcement अनुभाग में यूआरएल <https://andaman.nicobar.gov.in/admin-panel/whatsnew/3585-NOTIFICATION%20SIGNED%20QUARRY%20PLAN%202026-2029.pdf?> पर प्रकाशित किया गया है।

वन्यजीव सप्ताह के तहत चिड़ियाटापू में चला समुद्र तट स्वच्छता अभियान

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर।

चल रहे 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह-2026 के तहत चिड़ियाटापू स्थित जैविक उद्यान द्वारा वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई), इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) तथा सोसाइटी फॉर अण्डमान एंड निकोबार इकोलॉजी (सैन) के सहयोग से चिड़ियाटापू समुद्र तट पर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।

इस पहल में महाविद्यालय के विद्यार्थियों, सैन के स्वयंसेवकों, इंटेक, अण्डमान तथा निकोबार चैप्टर के स्वयंसेवकों तथा जैविक उद्यान के वन कर्मियों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर सुबह के समय चिड़ियाटापू



समुद्र तट के एक लंबे हिस्से की सफाई की। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस गतिविधि के माध्यम से ज़िम्मेदार व्यवहार अपनाने, कचरे का उचित निपटान करने तथा समुद्र तटों को स्वच्छ रखने और द्वीपों के संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए सामुदायिक स्तर पर सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया गया।

रखरखाव कार्य के कारण नॉर्थ प्वाइंट लाइटहाउस 18 अक्टूबर तक बंद

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। आम जनता, पर्यटकों तथा सभी टूर ऑपरेटर्स को सूचित किया गया है कि नॉर्थ प्वाइंट लाइटहाउस एवं इसके परिसर में रखरखाव कार्य के कारण 6 से 18

अक्टूबर तक आगंतुकों के लिए अस्थायी रूप से बंद रहेगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार लाइटहाउस 19 अक्टूबर से निर्धारित नियमित दर्शन समय के अनुसार आम जनता के लिए पुनः खोल दिया जाएगा।

किसान आईडी के लिए किसान रजिस्ट्री में पंजीकरण कराने की कृषि विभाग की अपील

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। भारत सरकार के डिजिटल कृषि मिशन एवं एग्रीस्टैक पहल के तहत कृषि विभाग द्वारा किसान आईडी तैयार करने के लिए किसान रजिस्ट्री में किसानों के पंजीकरण हेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

किसान आईडी एक डिजिटल पहचान सुविधा है, जिसके माध्यम से पात्र किसान सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कृषि संबंधी योजनाओं, लाभों एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य कृषि सेवाओं के वितरण को सुव्यवस्थित करना तथा पात्र किसानों को सरकारी लाभ अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है।

कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसान आईडी तैयार करने से भूमि पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व या हित स्थापित, निर्धारित अथवा हस्तांतरित नहीं होता है। किसान आईडी भूमि स्वामित्व का दस्तावेज नहीं है और इसे भूमि के स्वामित्व, कब्जे, किरायेदारी अथवा भूमि पर किसी अन्य कानूनी अधिकार के प्रमाण के रूप में नहीं माना जाएगा। इसी प्रकार, किसान रजिस्ट्री में किसान का पंजीकरण अथवा भूमि

अभिलेखों को किसान आईडी से जोड़ने से मौजूदा भूमि अभिलेखों में कोई परिवर्तन नहीं होगा और न ही इससे किसी भूमि के स्वामित्व का निर्धारण होगा।

भूमि के स्वामित्व, कब्जे, क्षेत्रफल अथवा अन्य अधिकारों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा लागू कानूनों के तहत सक्षम राजस्व प्राधिकरण के अभिलेखों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार ही किया जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति में किसानों को सलाह दी गई है कि वे यह स्पष्ट रूप से समझ लें कि किसान आईडी का उद्देश्य केवल किसानों की पहचान सुनिश्चित करना तथा पात्र कृषि योजनाओं, लाभों एवं सेवाओं के वितरण को सुगम बनाना है। यह भूमि से संबंधित मौजूदा अभिलेखों अथवा कानूनी दस्तावेजों का स्थान नहीं लेती और न ही उनमें कोई परिवर्तन करती है।

सभी पात्र किसानों से किसान आईडी बनाने की प्रक्रिया को निर्धारित पंजीकरण माध्यमों के जरिए पूरा करने तथा सही जानकारी एवं आवश्यक सहायक दस्तावेज उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है।

वन्यजीव संरक्षण के संदेश से गूंजा फ्लैग प्वाइंट, पर्यटकों ने लिया जागरूकता कार्यक्रम में भाग

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर।

72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह के तहत पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा कल शाम फ्लैग प्वाइंट व मरीना पार्क में वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पर्यटकों, आगंतुकों तथा आम जनता ने भाग लिया।



कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के स्थानिक वन्यजीवों को दर्शाने वाली झांकी रही, जिसे आगंतुकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। झांकी के माध्यम से द्वीपों की विशिष्ट जैव विविधता तथा इस तथ्य को प्रदर्शित किया गया कि यहां पाई जाने वाली कई प्रजातियां विश्व में अन्यत्र कहीं नहीं मिलती हैं। आगंतुकों को इन प्रजातियों एवं उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के महत्व तथा

ज़िम्मेदार पर्यटन गतिविधियों को अपनाने के प्रति भी जागरूक किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। पर्यटकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा द्वीपों की अपनी यात्रा के अनुभव भी साझा किए, जिससे कार्यक्रम को संवादात्मक स्वरूप मिला।

गुमशुदगी का मामला बना हत्या का मामला, सभी आरोपी गिरफ्तार

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। बम्बूफ्लाट थाना पुलिस ने राजीव नगर, बम्बूफ्लाट निवासी मदिद सिंह उर्फ राम सिंह (60) के गुमशुदगी के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है, जो बाद में हत्या के मामले में परिवर्तित हो गया। बम्बूफ्लाट थाना की जांच टीम द्वारा लगातार क्षेत्रीय जांच, तकनीकी विश्लेषण, गवाहों से पूछताछ तथा भौतिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के संग्रह के माध्यम से मामले का खुलासा किया गया।

26 सितंबर, 2026 को मदिद सिंह की पत्नी ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वह 25 सितंबर, 2026 को काम के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके आधार पर बम्बूफ्लाट थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संबंधित कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), ग्राहक विवरण रिकॉर्ड (एसडीआर) तथा अन्य तकनीकी सूचनाओं के विश्लेषण से जांच टीम को महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर सेख साबीर नामक एक संदिग्ध की पहचान की गई। पूछताछ एवं आगे की जांच के दौरान अपराध से कथित रूप से जुड़े अन्य व्यक्तियों, प्रदीप सिंह, सुमित कुजूर तथा एक विधि से संघर्षरत बालक (सीसीएल) की संलिप्तता भी सामने आई।

2 अक्टूबर, 2026 को हत्या में शामिल सभी आरोपियों को निर्धारित कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया तथा एक विधि से संघर्षरत बालक को भी अभिरक्षा में लिया गया। आगे की जांच के दौरान पुलिस टीम ने जिंगा नाला, माइल तिलक से मृतक का शव बरामद किया, जो सड़ी-गली अवस्था में था। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम जांच के लिए जी.बी. पंत अस्पताल भेजा गया। अपराध में कथित रूप से प्रयुक्त वाहनों तथा हथियारों को भी जब्त कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

लापरवाह वाहन चालकों पर उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस की सख्ती, तीन माह में दोषसिद्धि

मायाबंदर, 7 अक्टूबर। गत 29 सितंबर, 2026 को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान जिला ने कदमतला थाना में दर्ज सड़क दुर्घटना के एक मामले में आरोपी को दोषी ठहराया। यह मामला प्राथमिकी संख्या 15/26, दिनांक 15 जुलाई, 2026 के तहत दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी द्वारा तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाने के कारण पीड़ित को चोटें आई थीं। माननीय न्यायालय ने आरोपी को 5,500 रुपये का जुर्माना भरने की सज़ा सुनाई। प्राथमिकी

दर्ज होने के तीन माह के भीतर ही मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित की गई।

उत्तर व मध्य अण्डमान जिले के पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि यह दोषसिद्धि उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस की लापरवाह वाहन चालन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुलिस द्वारा मामले की पेशेवर एवं गहन जांच के माध्यम से त्वरित न्याय सुनिश्चित किया गया।

सुधार उत्सव के तहत दक्षिण अण्डमान में साइकिल रैली निकाली गई

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। सुधार उत्सव के तहत दक्षिण अण्डमान के उप शिक्षा कार्यालय द्वारा आज छात्र-छात्राओं के लिए राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार से कार्बाइंस कोव तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दक्षिण अण्डमान के उप शिक्षा कार्यालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण अण्डमान की उप शिक्षा अधिकारी श्रीमती बिंदु वर्मा ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।



ज़िला मुए थाई चैंपियनशिप—2026 के लिए 20 नवंबर तक प्रविष्टियां आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह मुए थाई एसोसिएशन द्वारा अण्डमान तथा निकोबार राज्य ओलंपिक संघ के सहयोग से 22 नवंबर, 2026 को श्री विजय पुरम में जिला मुए थाई चैंपियनशिप—2026 का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक खिलाड़ियों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। चैंपियनशिप में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी

20 नवंबर, 2026 तक गूगल फॉर्म लिंक के माध् यम से अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। प्रतिभागियों की सुविधा के लिए पंजीकरण लिंक अण्डमान तथा निकोबार मुए थाई एसोसिएशन के व्हाट्सऐप समूह में साझा किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार गूगल फॉर्म प्राप्त करने अथवा चैंपियनशिप से संबंधित किसी अन्य जानकारी के लिए प्रतिभागी 7872019588 पर संपर्क कर सकते हैं।

जेएनआरएम में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के इतिहास अध्ययन विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा मई—जून 2026 के दौरान अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय, श्री विजय पुरम में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए संयुक्त सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और उन्होंने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने इंटर्नशिप पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण—पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर इतिहास अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रतन मजूमदार तथा राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एन. बालकृष्णन सहित संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. पर्ल देवदास ने विद्यार्थियों को बधाई दी तथा अभिलेखागार में सुरक्षित ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं अभिलेखों के संरक्षण, सूचीकरण और डिजिटलीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्वीपों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में इन अभिलेखों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को अपनी इंटर्नशिप से प्राप्त अनुभव का उपयोग



भविष्य में शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों में करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. रतन मजूमदार ने विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता की सराहना की तथा कक्षा में प्राप्त ज्ञान को सुदृढ़ करने और अनुसंधान कौशल विकसित करने में व्यावहारिक अनुभव के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अभिलेखीय सामग्री के साथ प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने से विद्यार्थियों को शोध की व्यावहारिक समझ प्राप्त होती है।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम का समापन सहायक प्रोफेसर एवं इंटर्नशिप पर्यवेक्षक श्री जेम्स एल. वैफेई द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने इंटर्नशिप कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए प्राचार्य, संकाय सदस्यों तथा अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार, सचिवालय के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वन्यजीव संरक्षण के संदेश के साथ वन्यजीव सप्ताह कप—2026 का भव्य समापन

खुले वर्ग की नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता में यूनाइटेड स्पोर्टिंग क्लब विजयी



श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। 72वें वन्यजीव सप्ताह—2026 के अवसर पर दक्षिण अण्डमान वन प्रभाग द्वारा वन्यजीव सप्ताह कप—2026 के तहत खुले वर्ग की नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल जैसे लोकप्रिय खेल के माध्यम से युवाओं एवं आम जनता में वन्यजीव तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य था।

प्रतियोगिता का शुभारंभ 24 सितंबर, 2026 को हुआ। इसमें कुल 22 टीमों ने भाग लिया और 13 दिनों के दौरान 21 मैच खेले गए। प्रतियोगिता के दौरान 11 ग्राम पंचायतों से लगभग 3,500 दर्शकों की सामूहिक उपस्थिति रही। डिगलीपुर, बाराटांग और श्री विजय पुरम की टीमों ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया, जिससे वन्यजीव संरक्षण का संदेश व्यापक स्तर तक पहुंचाने के लिए एक बड़ा मंच उपलब्ध हुआ। प्रतियोगिता का संदेश “वन्यजीवों के लिए मिलकर टीम बनाएं” रहा। इस संदेश के माध्यम से यह रेखांकित किया गया कि जिस प्रकार फुटबॉल में सफलता टीम भावना और सामूहिक प्रयास पर निर्भर करती है, उसी प्रकार वन्यजीव संरक्षण के लिए भी समुदायों, संस्थानों और प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। पूरी प्रतियोगिता शांतिपूर्ण एवं खेल भावना से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित की गई, जिसमें अनुशासन, टीम भावना और आपसी सम्मान को बढ़ावा दिया गया।

प्रतियोगिता का भव्य फाइनल आज, 7 अक्टूबर,



2026 को विम्बर्लीगंज स्थित मिनी स्टेडियम में वार बॉयज (एमवीएफसी) और यूनाइटेड स्पोर्टिंग क्लब के बीच खेला गया। इस अवसर पर डॉ. एस. दिनेश कन्नन, भा.व.से., मुख्य वन संरक्षक (प्रादेशिक)/ (आर एंड डब्ल्यूपी)/ (डी एंड यू)/ (वन्यजीव) उपस्थित रहे और उन्होंने फाइनल मुकाबला देखा।

रोमांचक मुकाबले के बाद यूनाइटेड स्पोर्टिंग क्लब ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि वार बॉयज (एमवीएफसी) उप विजेता रहे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस प्रतियोगिता ने स्थानीय समुदायों और युवाओं से जुड़ने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया तथा यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि वन्यजीव संरक्षण एक साझा जिम्मेदारी है और प्रकृति की रक्षा में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ज़िला ताइक्वांडो चैंपियनशिप 24 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 7 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा राज्य ओलंपिक संघ के सहयोग से 24 अक्टूबर, 2026 को श्री विजय पुरम में ज़िला ताइक्वांडो चैंपियनशिप—2026 का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता सब—जूनियर, कैंडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्गों के लिए आयोजित की जाएगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी इच्छुक खिलाड़ी, क्लब, इकाइयां, विभाग एवं संस्थान निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से 23 अक्टूबर, 2026 तक अपनी प्रविष्टियां ऑनलाइन पंजीकृत करा सकते हैं। अडिाक जानकारी के लिए अण्डमान तथा निकोबार ताइक्वांडो एसोसिएशन से 9933272629 पर संपर्क किया जा सकता है।

शपथ पत्र
मैं शाइक जावेद सुपुत्र श्री जावेद अहमद भट निवासी कश्मीरी विला, मच्छी लाइन मरिजद के पास, साउथ व्वाइट ग्राम, शादीपुर पोस्ट, श्री विजय पुरम तहसील, दक्षिण अंडमान जिला, एतदद्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ, — - कि मेरे पिताजी का नाम जावेद अहमद भट है। - कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र में मेरे पिताजी का नाम जावेद अहमद भट्ट उल्लेखित किया गया है। - कि मेरे स्थानीय प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड और स्कूल अभिलेखों में मेरे पिताजी का नाम जावेड अहमड भट उल्लेखित किया गया है। - कि मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरे पिताजी का नाम जावेद अहमद भट्ट उल्लेखित किया गया है। - कि जावेद अहमद भट, जावेद अहमड भट्ट, जावेड अहमड भट् और जावेद अहमद भट्ट नाम एक ही समान व्यक्ति के है जो कि मेरे पिता है। - कि मैं यह शपथ पत्र मेरे पिताजी के सही नाम जावेद अहमद भट को घोषित करने के उद्देश्य से कर रहा हूँ। - कि जहाँ कहीं भी मेरे पिताजी का नाम जावेद अहमड भट्ट, जावेड अहमड भट और जावेद अहमद भट्ट आ रहा है उसे सभी प्रयोजनों और उद्देश्यों के लिए उसे जावेद अहमद भट के रूप में पढ़ा, समझा, सुधारा और उल्लेख किया जाएगा। सत्यापन : कि पैरा 1 से 7 में दिए गए बयान मेरी जानकारी और विश्वास में सत्य और सही है। दिनांक : 05.10.2026 शपथकर्ता

जिला परिषद दक्षिण अण्डमान अटल भवन, श्री विजय पुरम
दुकानों की अस्थायी आबंटन हेतु संक्षिप्त सूचना
F.No. 2-465/Estt/ZP/SA/2025/608 दिनांक 06.10.2026
आगामी त्योहारों के अवसर पर पटाखों की बिक्री हेतु, जिला परिषद दक्षिण अण्डमान के अंतर्गत बम्बूपलैट शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में अस्थायी रूप से दुकान/स्टॉल आबंटन के लिए पात्र व्यक्तियों/स्वयं सहायता समूहों/विक्रेताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह आबंटन स्वीकृत दिशा–निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों के अनुसार किया जाएगा। दुकान आबंटन के समय रु. 15,000 /— (पंद्रह हजार रुपए मात्र) की एकमुश्त किराया राशि मुख्य लेखा अधिकारी, जिला परिषद दक्षिण अण्डमान के पक्ष में जमा करनी होगी। यह राशि किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं की जाएगी।
इच्छुक आवेदक विस्तृत दिशा–निर्देश एवं निर्धारित आवेदन पत्र जिला परिषद दक्षिण अण्डमान की वेबसाइट https://zpsa.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज एवं रु. 25,000 /— (पच्चीस हजार रुपये मात्र) की सुरक्षा राशि (डिमांड ड्राफ्ट/फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में) मुख्य लेखा अधिकारी, जिला परिषद दक्षिण अण्डमान के पक्ष में संलग्न कर, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला परिषद दक्षिण अण्डमान, अटल भवन, सचिवालय गेट के पास, श्री विजय पुरम में 08/10/2026 को सुबह 9.00 बजे तक जमा करना अनिवार्य है। दुकानों का आबंटन 08/10/2026 को सुबह 10.00 बजे किया जाएगा।
सहायक निदेशक (प्रशा.) जिला परिशद दक्षिण अण्डमान

एम्स दिल्ली और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की साझेदारी से टीबी अनुसंधान को मिलेगा नया बल

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। तपेदिक यानी टीबी के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए एम्स नई दिल्ली और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने हाथ मिलाया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी यानी ैक पहल के तहत एम्स के मेडिसिन विभाग में टीबी पर एक नए शोध प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई।

“माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के जीनोटाइप और फीनोटाइप का व्यापक अध्ययन तथा इसके क्लिनिकल प्रभाव” विषय पर आधारित इस परियोजना का उद्देश्य टीबी पैदा करने वाले जीवाणु की आनुवंशिक और जैविक विशेषताओं को समझना है।

शोध के जरिए यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की आनुवंशिक और फीनोटाइपिक विशेषताओं का मरीज की बीमारी और उपचार पर क्या प्रभाव पड़ता है। इससे टीबी के बेहतर क्लिनिकल मैनेजमेंट के लिए महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रमाण जुटाने में मदद मिल सकती है।

इस मौके पर एम्स नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर निखिल टंडन और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, दिल्ली जोन के महाप्रबंधक एच. के. दास मौजूद रहे।

एम्स निदेशक ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के

नारियल के छिलके से बनाएं फ्री में जैविक खाद, जानें आसान तरीका

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। क्या आप भी बागवानी के शौकीन हैं और चाहते हैं कि आपके पौधे हरे-भरे और स्वस्थ रहें? तो अब महंगी कैमिकल खाद खरीदने की जरूरत नहीं. आपके घर में पड़ा नारियल का सूखा छिलका बन सकता है शुद्ध जैविक खाद, वो भी एकदम मुफ्त! नारियल के छिलके से बनी खाद न केवल मिट्टी की गुणवत्ता सुधारती है, बल्कि पौधों को जरूरी पोषण भी देती है. तो चलिए जानते हैं कि नारियल के छिलकों से घर पर ही कैसे बना सकते हैं नेचुरल और असरदार खाद.

नारियल के सूखे छिलकों में प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, जिक और कॉपर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो पौधों की अच्छी बढ़त के लिए जरूरी हैं. इसके फायदे— मिट्टी को भुरभुरी और जलधारक बनाता है पौधों की जड़ों को मजबूती देता है केमिकल फर्टिलाइजर की तुलना में सुरक्षित पर्यावरण के लिए भी बेहतर विकल्प कैसे बनाएं नारियल के छिलके से जैविक खाद? यह प्रक्रिया बेहद आसान है और इसमें कोई खर्च नहीं आता. बस नीचे दिए गए स्टेप्स फॉलो करें: पुराने सूखे नारियल के छिलकों को इकट्ठा कर लें. अगर वो धूप में रखे हों तो और भी बेहतर. इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिक्सर या ग्राइंडर में



एमडी एवं सीईओ आशीष पांडे और सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों और अकादमिक संस्थानों के बीच ऐसी साझेदारियां देश की प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

यह पहल टीबी के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले ट्रांसलेशनल रिसर्च को बढ़ावा देने और वैज्ञानिक शोध को बेहतर मरीज देखभाल में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।



पीस लें. पिसे हुए छिलकों को एक बाल्टी पानी में 4–5 दिनों के लिए भिगोकर छोड़ दें. इस दौरान वह धीरे-धीरे सड़ने लगते हैं. जब रंग थोड़ा काला हो जाए और हल्की सी सड़न की गंध आने लगे, तब उसे छान लें और धूप में सुखाएं. सूखने के बाद जो बड़े रेशे बचे हों उन्हें हटा दें. अब आपकी खाद उपयोग के लिए तैयार है. मिट्टी में मिलाकर: इसे गमले की मिट्टी में अच्छे से मिलाकर पौधे के पास डालें ताकि यह धीरे-धीरे पोषण देता रहे. ऊपरी परत में छिड़काव: अगर मिट्टी पहले से भरी हुई है, तो गमले की मिट्टी की ऊपरी परत में हल्की गुड़ाई करें और इस खाद को ऊपर से छिड़क दें. इसके बाद हल्का पानी दें ताकि खाद नीचे तक पहुंच सके.

एचएएल ने की 2,000वें एयरो—इंजन की डिलीवरी, अगला लक्ष्य 10 हजार इंजन : माननीय रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने मंगलवार को भारत की एयरो—इंजन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में एचएएल कोरापुट द्वारा निर्मित 2,000वें एयरो—इंजन की डिलीवरी की गई। इसी अवसर पर हेलीकॉप्टर में लगने वाले शक्ति इंजन की दूसरी निर्माण लाइन का भी उद्घाटन किया गया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एचएएल के लिए एक संख्या या मील का पत्थर नहीं है, बल्कि भारत की एयरोस्पेस यात्रा और सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता में 2,000 महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन इंजनों के पीछे कई पीढ़ियों के इंजीनियरों, तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों, वैज्ञानिकों और कुशल कामगारों की प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा है। वर्ष 1964 में स्थापना के बाद से एचएएल कोरापुट भारत की एयरो—इंजन क्षमता के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां निर्मित और रखरखाव किए गए इंजनों ने मिग–21, मिग–27, मिग–29 और सुखोई–30 एमकेआई जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों को शक्ति दी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2,000वें इंजन की उपलब्धि इसी लंबी यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने एचएएल कोरापुट के इंजीनियरों, तकनीशियनों और पूरी टीम को उनके समर्पण और तकनीकी दक्षता के लिए बधाई दी। वहीं, कोरापुट में शक्ति इंजन के लिए दूसरी उत्पादन लाइन भी स्थापित की गई है। इस पर 218 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इससे देश में शक्ति इंजन के उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता तैयार होगी। यह अतिरिक्त क्षमता उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी हेलीकॉप्टरों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि कलपुर्जों के स्वदेशीकरण से लेकर इंजन तैयार करने में लगने वाले समय में कमी तक, एचएएल की ओर से किए जा रहे प्रयास सशस्त्र बलों की परिचालन तैयारी को मजबूत कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2,000वें इंजन की डिलीवरी को केवल एक उपलब्धि के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने इसे भविष्य के बड़े लक्ष्य की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा, “आज के 2,000वें इंजन की डिलीवरी को हम केवल एक मील का पत्थर न लें, बल्कि अगले 10 हजार, अगले 1 लाख और एक ऐसी भारतीय एयरोस्पेस उद्योग के निर्माण के संकल्प के रूप में लें, जो दुनिया की सबसे उन्नत प्रणोदन प्रणालियों को डिजाइन, विकसित, निर्मित और उनका समर्थन करने में सक्षम हो।” उन्होंने कहा कि एयरो—इंजन पर महारत हासिल करना आधुनिक उद्योग की सबसे उन्नत तकनीकों में महारत हासिल करने के बराबर है। दुनिया में कुछ ही देश इस क्षमता को हासिल कर पाए हैं और भारत उनमें शामिल है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लगभग 5,000 करोड़ रुपए के निवेश की दिशा में किए जा रहे प्रयास बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले कच्चे



माल के स्वदेशीकरण की दिशा में मिश्र धातु निगम लिमिटेड के साथ साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि एयरो—इंजन निर्माण में आत्मनिर्भरता केवल इंजन तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके लिए आवश्यक कच्चे माल और कलपुर्जों की आपूर्ति में भी देश को अपनी क्षमता मजबूत करनी होगी।

रक्षा मंत्री ने सुखोई–30 एमकेआई के लिए एएल–31एफपी इंजन के उत्पादन में एचएएल कोरापुट की टीम के प्रदर्शन की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भारत सरकार ने एचएएल को 240 एएल–31एफपी इंजनों का आदेश दिया था। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और कच्चे माल से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद पहला इंजन निर्धारित समय से पहले तैयार कर दिया गया।

राजनाथ सिंह के अनुसार, दूसरे वर्ष के अंत तक 60 इंजनों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 63 इंजन वितरित किए जा चुके हैं। एएल–31एफपी इंजन के उत्पादन को और गति देने के लिए एचएएल अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता को 30 से बढ़ाकर 50 इंजन करने जा रहा है। इसके लिए 335 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

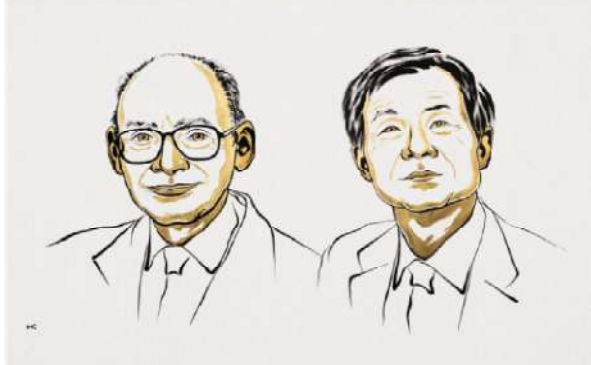
रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने के ये प्रयास ऐसे समय में महत्वपूर्ण हैं, जब देश की सशस्त्र सेनाओं के लिए स्वदेशी रक्षा उत्पादन और समय पर आपूर्ति पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2,000वें इंजन की उपलब्धि अतीत की सफलता का उत्सव भर नहीं है, बल्कि भारत को दुनिया की अग्रणी एयरोस्पेस और प्रणोदन तकनीक वाले देशों की कतार में और मजबूती से खड़ा करने के अगले संकल्प की शुरुआत है।

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार 2026 हेनरी कागन और केन्सो सोई को

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर।

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 2026 के रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के लिए हेनरी बी. कागन और केन्सो सोई को चुना है। दोनों वैज्ञानिकों को “असममित कार्बनिक संश्लेषण में गैर–रेखीय प्रभावों और स्व–उत्क्षेरण की खोज” के लिए यह सम्मान दिया गया है। हेनरी कागन ने रासायनिक अभिक्रियाओं को नियंत्रित करने का एक नया तरीका खोजा। इससे पहले की तुलना में किसी रासायनिक पदार्थ की दर्पण–छवियों में से एक को अधिक मात्रा में तैयार करना संभव हुआ। उनकी इस खोज का उन रसायनविदों के काम पर बड़ा प्रभाव पड़ा, जो दवाओं, स्वाद, सुगंध और नई सामग्रियों के निर्माण के लिए रासायनिक अभिक्रियाएं विकसित करते हैं।

केन्सो सोई ने ऐसी पहली रासायनिक अभिक्रिया तैयार की, जिसमें संभावित दर्पण–छवियों में से केवल एक ही बनी। नोबेल समिति के अनुसार,



जीवन के अलावा इससे पहले किसी ने इस तरह की उपलब्धि हासिल नहीं की थी।

सोई की इस अभिक्रिया को “सोई अभिक्रिया” कहा जाता है। इसे अब तक किए गए सबसे शानदार रासायनिक प्रयोगों में से एक बताया गया है।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर फिलहाल कोई विचार नहीं : मार्को रुबियो

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रुबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन हालात के “ट्रेंड” पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है।

रुबियो ने कहा, “जैसा कि आप जानते हैं, अभी यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई बात नहीं हो रही है, क्योंकि इसके लिए आम सहमति बनाने की प्रक्रिया से गुजरना जरूरी है।” वे रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोर गेरदुर केंद्रिन गुन्नार्सडॉटिर के साथ एक जॉइंट मीडिया ब्रीफिंग में बोल रहे थे। जब यूक्रेन के नाटो में शामिल होने पर उनकी राय पूछी गई, तो रुबियो ने कहा कि इसका कोई सीधा ‘हां’ या ‘ना’ में जवाब नहीं है। रुबियो ने कहा, “अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो। इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाना दुखद है। हमने साफ कहा है कि अगर इस युद्ध को खत्म करने में हम कोई भूमिका निभा सकते हैं, तो हम एक सकारात्मक भूमिका निभाना चाहेंगे।”

रुबियो ने संकेत दिया कि वाशिंगटन मौजूदा हालात को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा, “हम जाहिर

तौर पर वहां के हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहे हैं और देख रहे हैं कि अभी मामला उस दिशा में नहीं बढ़ रहा है।” उन्होंने ये बातें एक ऐसी चर्चा के दौरान कहीं जिसमें यूक्रेन के अलावा आर्कटिक और ‘हाई नॉर्थ’ (सुदूर उत्तर) इलाकों में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं पर भी बात हुई। रुबियो ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के बदलते माहौल ने इस इलाके पर वाशिंगटन का ध्यान फिर से खींचा है। 2006 में आइसलैंड में लंबे समय से मौजूद अमेरिकी सेना को कहीं और भेजे जाने के बाद ऐसा हुआ था।

उन्होंने कहा, “असलियत यह है कि पिछले 20 सालों में दुनिया बदल गई है। हमारा ध्यान भी बदल गया है। अब आर्कटिक पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।” रुबियो ने आइसलैंड को यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा के लिए रणनीतिक रूप से अहम बताया क्योंकि इसकी भौगोलिक स्थिति खास है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन रेकजाविक के साथ और सहयोग पर बातचीत करने के लिए तैयार रहेगा।

उन्होंने कहा, “मुझे लगता है कि अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से आइसलैंड और उसकी लोकेशन यूरोप और अमेरिका, दोनों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाती है।” सेक्रेटरी ऑफ स्टेट ने कहा कि ‘हाई नॉर्थ’ में सुरक्षा चिंताएं सिर्फ पारंपरिक सैन्य खतरों तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने गुप्त गतिविधियों, समुद्र के नीचे बिछी केबलों और शिपिंग लेन (जहाजों के रास्तों) को होने वाले खतरों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े आर्थिक व व्यावसायिक चुनौतियों का जिक्र किया।